चीन ने लोगों के विरोध के बाद टाइगर लिपिंग गोर्ज बांध को रद्द किया

चीन में यून्नान की प्रांतीय सरकार ने जबरदस्त स्थानीय विरोध एवं अंतरराष्ट्रीय चिंता के कारण टाइगर लिपिंग गोर्ज (घाटी) में बांध बनाने की योजना को रद्द करने का निर्णय लिया है। प्रांतीय सरकार ने 16 दिसम्बर 2007 को निर्णय लिया कि विश्व की सबसे गहरी नदी घाटियों में से एक एवं विश्व धरोहर के निकट इस गोर्ज पर कोई बांध नहीं बनाया जाएगा। इसके बदले, अथॉरिटी ने बांध को 200 किमी अपस्ट्रीम में तिब्बती आबादी वाले इलाके वेइक्सी व डेकीन काउंटियों की सीमा में डिकिंग में स्थानान्तरित करने का निर्णय लिया है। नये स्थल पर विस्थापितों की संख्या में काफी कमी आने की उम्मीद है। प्रति वर्ष 88.3 अरब यूनिट बिजली पैदा कर सकने वाला 276 मीटर ऊंचा बांध घाटी के जींसा नदी प्रस्तावित है। चीन जैसे देशों में लोगों के कभी–कभार दिखने वाले विरोध के बाद यह योजना सन 2004 से ही स्थगित है। प्रस्तावित बांध जींसा के मध्य क्षेत्र में सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना थी एवं डाउनस्ट्रीम में इससे जुड़े हुए सात बांध बनने थे। इससे 100,000 निवासी विस्थापित होने वाले थे जिसमें ज्यादातर शांग्रीला एवं यूलांग काउंटियों के आदिवासी किसान थे। नये स्थल का चयन तीन उपलब्ध विकल्पों में से किया गया है, जिससे 20,000 लोगों को विस्थापित होना है। बांध द्वारा जिंसा से प्रांत की राजधानी कनमिंग सहित प्रांत के केन्द्र में जल स्थानान्तरित किया जाना प्रस्तावित है। ग्रामवासियों ने बांध की योजना को रद्द करने के निर्णय का स्वागत किया है।

बांधो, नदियों एवं लोगों का दक्षिण एशिया नेटवर्क (सैण्ड्रप)
www.sandrp.in (Ph: 2748 4655)
डैम्स, रिवर्स एंड पिपुल (नवम्बर–दिसम्बर 2007)